शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से 'बी' (2.90) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष - 3
अंक - 3
2018-19

'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की रही धूम'

महाविद्यालय का वार्षिक स्नेह सम्मेलन शहर विधायक श्री अरूण वोरा के मुख्य आतिथ्य एवं भिलाई नगर के विधायक एवं महापौर श्री देवेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

इस वर्ष का स्नेह सम्मेलन 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि अरूण वोरा ने कहा कि कन्या शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय की अलग पहचान है। यहाँ की छात्राओं ने पढ़ाई-खेलकूद के क्षेत्र में शहर का गौरव बढ़ाया है। महाविद्यालय के विकास में कोई कमी नहीं आयेगी हम सब मिलकर इसके लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जिस लक्ष्य तक हम जाना चाहते है उसे पूरा करें और अपने माता-पिता और महाविद्यालय का गौरव बढ़ायें। कार्यक्रम के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्राएँ राष्ट्रशक्ति का प्रतीक है। युवा वर्ग ही देश के विकास का मूल है। शासन की विभिन्न योजनाएँ विशेषकर युवा वर्ग के लिए बनायी जा रही है जिसके लिए युवा वर्ग को संकल्पित होना है कि वे नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में आगे आएगें। हमारा देश विकासशील से विकसित तभी होगा जब महिला शक्ति प्रधान होगी।

कन्या महाविद्यालय के विकास के लिए शासन स्तर पर सभी सार्थक प्रयास होगें और यह महाविद्यालय पूरे प्रदेश का गौरव रहेगा। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंनें उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए विज्ञान प्रयोगशाला भवन की महती आवश्यकता बतलाई।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तबस्सुम ने भी अपनी बात रखते हुए अतिथि द्वय से महाविद्यालय की कुछ समस्याओं के निदान का अनुरोध किया। कु. तबस्सुम ने महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी तथा मूर्तिकला पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक संबद्धता प्रदान नहीं किए जाने का जिक्र किया।

इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रावीण्यता पदक एवं प्रमाणपत्र से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। क्रीड़ा के क्षेत्र में कु. मेघा सिंह को शहीद कौशल यादव खेल अलंकरण मिलने पर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये कु. रूचि शर्मा, सांस्कृतिक में विभा कसेर, कैम्पस एम्बेसडर प्रज्ञा मिश्रा, यूथ रेडक्रॉस हेतु कु. वेदिका देवांगन को सम्मानित किया गया।

शेष अगले पृष्ठ पर

अपनी बात

दुर्ग संभाग के सबसे बड़े कन्या महाविद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये अध्यापन के साथ व्यक्तित्व विकास के प्रयास किये जा रहे है । प्रोत्साहन के अवसर आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रेरित करते है। महाविद्यालय के शिक्षक इसके लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं ।

मेघावी विद्यार्थियों को सम्मान, खेलके क्षेत्र में अग्रणी छात्राओं को पुरस्कार और बहुमुखी प्रतिभा की धनी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक अभिरूचि की छात्राओं को आगे लाना इस महाविद्यालय का लक्ष्य है । विगत वर्षों की अकादमिक उपलब्धियाँ हमें उत्साह से भर देती है । महाविद्यालय के विकास में जनभागीदारी समिति की भी उल्लेखनीय भूमिका रहती है । उनका सहयोग हमारे लक्ष्य को आसान बनाता है । कर्मचारियों का निष्ठापूर्वक कार्य संचालन एवं स्वच्छता अभियान में कदम से कदम मिलाकर चलना ही हमें स्वच्छता में महाविद्यालय की श्रेणी दिलाई है ।

स्वामी विवेकानन्द की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई गई

प्रातः महाविद्यालय परिसर में स्थिति स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं ने स्वामी जी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उनके संदेशों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। युवा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि स्वामी जी ने युवाओं को पारम्परिक मूल्यों के साथ-साथ अपने नये समय को समझने के लिये प्रेरित किया। वे उन लोगों में से थे जिन्होनें भारत की प्राचीनता को वैज्ञानिक दृष्टि से देखा।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि भविष्य उन युवाओं का है जो अपने सपने पर विश्वास करते है। कोई भी कार्य असंभव नहीं होता हमें लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण की भावना से प्रयास करना चाहिये। महाविद्यालय की जेण्डर चैम्पियन रूचि शर्मा ने स्वामी विवेकानन्द के प्रेरक संस्मरणों को उल्लेखित करते हुये छात्राओं को आव्हान किया की हम सभी मै की जगह हम के अनुसार कार्य करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा कु. प्रज्ञा मिश्रा ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. ऋचा ठाकुर ने भी प्रेरक उद्बोधन दिया। डॉ. के.एल. राठी, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े, डॉ. ज्योति भरणे, श्रीमती भावना दिवाकर आदि के साथ छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

→ प्रथम पृष्ठ का शेष

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. के.एल. राठी एवं डॉ. निसरीन हुसैन की किताबों का विमोचन किया गया। छात्रसंघ की गतिविधियों पर प्रकाशित 'हमर कॉलेज' पत्रिका का भी विमोचन हुआ। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने देर शाम तक शमा बांधे रखा। अर्पणाशास्त्री की भरतनाट्यम प्रस्तुति देवी स्तुति तथा विभा कसेर और भारती साहू की प्रस्तुति अर्धनारीश्वर से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। ज्योति साहू के समूह ने तोर मया के मारे समूह नृत्य ने खूब तालियाँ बटोरी वहीं 'वतन है हमारा' और मोह-मोह के धागे गीतों ने भी खूब शमा बांधा। डिकेश्वरी राजपूत और माधुरी नायक के सामयिक एकल अभिनय ने बेहतर प्रस्तुति दी।

हर्षा सहारे और गरिमा साहू तथा प्रीति वर्मा, भजंति नायक के समूह नृत्य की खूब तारीफ हुई, पायल, पिंकी की कॉमेडी फ्यूजन ने खूब हंसाया। अंत में भांगडा ने सभी छात्राओं को नाचने के लिए मजबूर कर दिया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। अंत में छात्रसंघ के पदाधिकारियों ने आभार प्रदर्शन किया।

कॉलेज में 'रूसा' से होगा गुणवत्ता विकास

महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के अन्तर्गत अधोसंरचना तथा गुणवत्ता विकास के लिए अनुदान दिया गया है जिससे महाविद्यालय में जहाँ 14 नये अध्ययन कक्षों का निर्माण हुआ है वहीं प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण का कार्य भी प्रारंभ हो रहा है। प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की पहल पर महाविद्यालय की अधोसंरचना के लिए 2 करोड़ 40 लाख रूपये मिले वहीं कन्या शिक्षा में अग्रणी इस महाविद्यालय को प्रयोगशालाओं में नये उपकरणों एवं बेहतर नई सुविधाएँ उपलब्ध कराने 60 लाख रूपये स्वीकृत हुए है। राज्य रूसा के संचालक डॉ. पी.सी. चौबे एवं उनकी टीम ने महाविद्यालय में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा प्राचार्य, छात्राओं एवं शिक्षकों से विकास कार्यों की जानकारी ली। डॉ. चौबे ने महाविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों तथा शैक्षणिक विकास की प्रसंशा की तथा चित्रकला, संगीत, नृत्य विभाग की व्यवस्था को बेहतर बताते हुए आधुनिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराने राशि देने का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि अधोसंरचना विकास के लिए 14 अध्ययन कक्षों का निर्माण हुआ है वहीं शेष बचत राशि से 2 अतिरिक्त कक्ष भी बन रहे है। ये अध्ययनकक्ष 80 विद्यार्थियों की बैठक क्षमता वाले बड़े कक्ष है जहाँ प्रकाश एवं हवा की पर्याप्त व्यवस्था है जिससे छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुलभ हुआ है। नये सत्र में इन अध्ययनकक्षों के बनने से अधिक छात्राओं को प्रवेश दिया जा सकेगा जिससे ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को महाविद्यालय में पढ़ने के अधिक अवसर उपलब्ध होगें।

डॉ. तिवारी ने बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री जी की घोषणा के अनुरूप प्रयोगशालाओं के उन्नयन के लिए भी 60 लाख रूपये की राशि प्राप्त हुई है जिसमें सभी प्रयोगशालाओं में नये उपकरण तथा नई सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही है। रूसा द्वारा शिक्षकों एवं छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास, क्षमता विकास के लिए भी अनुदान दिया गया जिसमें छात्राओं के कैरियर से संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं का प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास की कार्यशाला, उद्यमिता प्रशिक्षण, मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए। शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण तथा क्षमता विकास की कार्यशाला आयोजित की गयी।

निश्चित रूप से इन आयोजनों से छात्राओं को भरपूर लाभ मिला है तथा वे अपनी प्रतिभा का परिचय देने में बड़ी मजबूत स्थिति में है। रूसा टीम द्वारा विकास की योजनाओं पर आधारित डाक्यूमेंट्री का भी छायांकन किया गया। इस अवसर पर रूसा, रायपुर के अधिकारियों के साथ प्रभारी प्राध्यापक डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी, डॉ. गचा ठाकुर, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, कु. रूचि शर्मा, कु. नेहा साहू उपस्थित थे।

स्वच्छ भारत समर इंटरशिप में छात्राओं ने चलाया जागरूकता अभियान

महाविद्यालय की छात्राएं स्वछ भारत समर इंटर्नशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत गोद ग्राम महमरा में जागरूकता अभियान चला रही है।

इसके अन्तर्गत आज छात्राओं ने जन-जागरूकता रैली निकाली। स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता के नारों व पोस्टर बैनर के साथ रैली ने ग्राम में भ्रमण किया। प्रधानमंत्री जी के इस महाअभियान में छात्राओं ने विभिन्न चरणों में अपना अभियान संचालित कर रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस अभियान के तहत गोदग्राम महमरा में सरपंच श्री जगन्नाथ यादव के साथ पंचों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूह की सदस्यों, मितानिनों, शाला के शिक्षकों के साथ मिलकर ग्राम में स्वच्छता की अलख जगाने छात्राएँ अभियान चला रही है। चार चरणों के इस कार्यक्रम में 100 घंटे का समर इंटर्नशिप अभियान रहेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी तथा इस कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि छात्राएँ घर-घर पहुँचकर इस अभियान की जानकारी ग्रामीणों को दे रही है तथा शाला एवं आंगनबाड़ी के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वच्छता के लिए प्रेरित कर रही है।

इस अभियान के अंतर्गत 10-10 छात्राओं के चार दल बनाये गये है जो सर्वेक्षण का कार्य भी करेगें। स्वच्छता दूत एवं ग्रुपलीडर कु. रूचि शर्मा ने बताया कि पोस्टर एवं पांपलेट के साथ ही छात्राएँ नुक्कड़ नाटक के द्वारा भी स्व्च्छता अभियान चला रही है। उन्होनें बताया कि हैण्डपंप एवं पेयजल स्त्रोतों के आसपास सफाई भी की जावेगी।

समर इंटर्नशिप कार्यक्रम में पंजीकृत छात्राओं के अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना तथा यूथ रेडक्रास की छात्राएँ भी सक्रिय भागीदारी दे रही है। ग्राम के सरपंच श्री जगन्नाथ यादव ने छात्राओं के इस अभियान की सराहना की है तथा पूर्ण सहयोग देते हुए प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता मिशन को सफल बनाने का आव्हान किया है।

पी.एस.सी. एवं व्यापम की कोचिंग शुरू

महाविद्यालय में छात्राओं को प्रतियागी परीक्षाओं के लिए तैयार करने तथा यू.पी.ए.सी., छ.ग. लोक सेवा आयोग, व्यापम की परीक्षाओं कला, विज्ञान, वाणिज्य संकाय से उत्तीर्ण विद्यार्थी लोकसेवा आयाग परीक्षा की तैयारी करना चाहते है। इसके लिए सामान्य ज्ञान, इतिहास, कला संस्कृति, संविधान, गणित, तार्किक योग्यता जैसे विषयों पर गहन अध्ययन करना होता है। इन्ही सभी विषयों पर एक संपूर्ण कोचिंग देने के उद्देश्य से महाविद्यालय के ''कॅरियर एण्ड प्लेसमेन्ट सेल'' ने 7 माह की कोचिंग कक्षाओं की रूपरेखा तैयार की है। अनुभवी एवं दक्ष प्रशिक्षकों एवं कोचिंग संस्था के सहयाग से छात्राओं को कोचिंग दी जावगी। व्यक्तिव विकास, छात्र-प्रशिक्षक संवाद, टेस्ट सीरीज, लेखन कला विकास पर विशेष ध्यान दिया जावगा।

न्यूनतम शुल्क पर यह व्यवस्था महाविद्यालय परिसर में ही की जा रही है यह कोचिंग केवल छात्राओं के लिए है जिसमें नियमित छात्राओं के साथ ही महाविद्यालय से उत्तीर्ण हो चुकी छात्राएँ एवं अन्य महाविद्यालय की छात्राएँ भी इसका लाभ उठा सकती है।

पूरा प्रशिक्षण 7 माह का होगा। जिसमें अभिप्रेरण कक्षाएँ, पुस्तकालय, कॅरियर परामर्श, आंतरिक मूल्यांकन आदि गतिविधियों का समावेश किया गया है।

''काउंसलिंग सेंटर प्रारंभ''

महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत काउंसलिंग सेंटर स्थापित किया गया है। जिसका उद्घाटन आज प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। सेंटर में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सेवायें उपलब्ध रहेंगी। इसके लिये विशेष रूप से महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश एवं सुश्री रिमशा लाकेश को प्रशिक्षण विभाग द्वारा दिया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक माह में एक बार विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा छात्राओं की मानसिक संबंधी समस्याओं का निवारण किया जायेगा एवं समय-समय पर विशेष कार्यशाला, सेमीनार और मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित होगें।

अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. तिवारी ने काउंसलिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छात्र-छात्राएँ शिक्षा एवं कैरियर को लेकर अत्यंत तनाव में रहते है। उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के लिये उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। यह केन्द्र छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ उपलब्ध करायेगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. निसरीन हुसैन, डॉ. साधना पारेख, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी एवं काउंसलिंग सेंटर की संचालक डॉ. रेशमा लाकेश एवं रिमशा लाकेश एवं यूथ रेडक्रॉस की छात्रायें उपस्थित थे।

''कौशल विकास केन्द्र प्रारंभ'' एड ऑन कोर्स भी होगें शुरू

महाविद्यालय में छात्राओं के लिए कौशल विकास केन्द्र स्थापित किया गया है। महाविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ के संयोजन में स्थापित केन्द्र में कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमीनार एवं औद्योगिक इकाई का भ्रमण का आयोजन नियमित रूप से होगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल विकास की दिशा में भी दक्षता प्रदान करना इस केन्द्र का उद्देश्य है। टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साईंसेज के द्वारा प्रस्तावित एड ऑन कोर्स भी प्रारंभ किए जावेगें जिसमें छात्राएँ तीन वर्ष में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा तथा एडवांस डिप्लोमा प्राप्त कर सकेगी।

महाविद्यालय में कौशल विकास केन्द्र स्थापना के लिए आयोजित बैठक में टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साईंस के सुप्रभातशील, सिटकॉन रायपुर की प्रतिभा गुप्ता, सामुदायिक खाद्य एवं पोषण आहार इकाई रायपुर के पूर्व अधिकारी विलास डांगे, छत्तीसगढ़ एजुकेशन रिसर्च एण्ड वेलफेयर सोसायटी की प्रोजेक्ट अधिकारी विनिता वैष्णव, स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हेमंत घोटे, बी.आई.टी दुर्ग के डॉ. अशोक चन्द्रा एवं डॉ. धर्मेन्द्र गंगेश्वर, महिला पॉलीटेक्निक राजनांदगांव की डॉ. मृदुला चौरसिया उपस्थित हुवे। बैठक में सभी ने एकमत से इस केन्द्र में कौशल विकास प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाने अपनी सहमति दी।

केन्द्र प्रभारी डॉ. बबिता दुबे ने जानकारी दी कि अगस्त माह में खाद्य एवं फल परिक्षण प्रशिक्षण की सात दिवसीय कार्यशाला तथा ड्रेस डिजाइन की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

यूथ स्पार्क-2 में उमड़ा उत्साह

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए ''यूथ फॉर एकात्मता- एक है हम'' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की 439 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 10 वाक्यों में निर्धारित विषय पर विचार लिखने थे। जिसमें प्रमुख (1) जनजातीय समाज की विशेषताएँ (2) छत्तीसगढ़ के एक महापुरूष या संत की जीवनी। (3) भारतीय संस्कृति भारत की एकात्मता का आधार है। (4) छत्तीसगढ़ शासन की कल्याणकारी योजनाएँ। कुल 20 चयनित प्रतिभागियों का नाम अगले चरण के लिए भेजा गया। नोडल अधिकारी डॉ. रचा ठाकुर ने बताया कि छात्राओं में इस स्पर्धा के लिए भारी उत्साह रहा। उलेखनीय है कि इस स्पर्धा में 51000/-रूपये का प्रथम पुरूस्कार, 31000/-रू. का द्वितीय पुरस्कार एवं 21000/-रू. का तृतीय पुरस्कार घोषित किया गया है। चयनित छात्राओं को स्पर्धा के द्वितीय चरण में भाग लेने का मौका मिलेगा।

नैतिक मूल्यों से ही बनता है जीवन अमूल्य : डॉ. जय सिंह

''सार्वभौमिक मूल्यों की वर्तमान समाज में आवश्यकता'' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। पी.जी. कॉलेज कांकेर के प्राध्यापक डॉ. जयसिंह ने व्यापक एवं वैश्विक संदर्भों में नैतिक मूल्यों पर विचार रखें। उन्होनें कहा कि 'सत्य नैतिकता की जननी है वर्तमान परिवेश में दिनों-दिन नैतिक मूल्यों का ह्ास हो रहा है। वेद, रामायण आदि पौराणिक कथाओं तथा भगवान राम, हरिश्चन्द्र, बुद्ध, महावीर जैसे महापुरूषों का अनुशीलन कर रही भारतभूमि ने सत्य, अहिंसा, सदाचरण, प्रेम तथा शांति का संदेश विश्व को दिया। इन्हीं सत्यान्वेषियों के तप, त्याग और अहिंसा के उगाादर्शों के आधार पर ही हम विश्वगुरु कहलाए। और अगर हमें फिर से विश्वगुरु बनना है तो उन्हीं आदर्शों को आत्मसात करना होगा। अंत में डॉ. सिंह ने छात्राओं के सुखद भविष्य हेतु महामना मदन मोहन मालवीय जी के जीवनसूक्ति को उद्धृत किया- ''दूध पियो, कसरत करो, नित्य जपो हरिनाम! मन लगाई विद्या पढ़ो पूरन हो सब काम।। शा. महाविद्यालय भखारा से पधारे दूसरे वक्ता डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर ने नैतिक मूल्यों के संदर्भ में युरोपीय नवजागरण एवं भारतीय पुनर्जागरण के मूल्यों-तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवता एवं स्वतंत्रता बोध की महत्ता को रेखांकित किया। भारतीय संविधान के हम की भावना को याद दिलाते डॉ. ठाकुर ने कहा कि 'बेटियाँ ही सद्समाज की कर्णधार और नैतिक मूल्यों के समग्रबोध की प्रतिनिधि होती है। जिस दिन हम सबमें माँ के विराट भाव संसार का एक भी गुण आ जायेगा तो हम वास्तव में नैतिक हो जाएंगे। जब ईदगाह के हामिद का आवबोध हमारे रगों में दौड़ने लगे तब हम नैतिक बनेगे। प्रोफेसर डी.सी. अग्रवाल ने छात्राओं को जीवन-संघर्ष में नैतिक मूल्यों की उपयोगिता समझाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को सदाचरण, धैर्य और एकाग्रता जैसे मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होनें बताया कि नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में उतारने पर ही हम अच्छे व्यक्तित्व अच्छे समाज और बेहतर देश का निर्माण कर सकते है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने महात्मा गाँधी और विवेकानन्द के जीवन का मार्ददर्शक के रूप में अनुसरण करने की बात कही। इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी की समन्वयक डॉ. अमिता सहगल, डॉ. रेशमा लाकेश, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी समेत समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

गर्ल्स कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस ने डेंगू के लिए जागरूकता अभियान चलाया

महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की छात्राओं ने अंचल में फैले 'डेंगू' के प्रति जागरूकता लाने तथा बचाव के सुरक्षात्मक उपायों पर अभियान शुरू किया है। यूथरेडक्रॉस की टीम ने प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश के मार्गदर्शन में महाविद्यालय की समस्त छात्राओं को डेंगू से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे फील्ड में जाकर तथा अपने मोहगे व आसपास में इसका प्रचार-प्रसार करें व पानी के जमाव को हटाने व स्वच्छता के लिये प्रेरित कर सकें।

इस संबंध में महाविद्यालय में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी है जो डेंगू के लक्षणों, कारणों व उससे बचाव के तरीकों को प्रदर्शित करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राएँ इस अभियान में समर्पित होकर कार्य कर रही है। महाविद्यालय में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. एम.एल. अग्रवाल के सौजन्य से डेंगू के बचाव के लिये होम्योपैथिक दवा का भी वितरण किया जा रहा है।

गर्ल्स कॉलेज का 'टी.सी.एस.' से अनुबंध

रोजगारोपयोगी सर्टिफिकेट कोर्स की सुविधा मिलेगी

महाविद्यालय, में शिक्षा के साथ रोजगारोपयोगी सर्टीफिकेट कोर्स प्रारंभ करने की पहल शुरू हुई है। जिसके अंतर्गत टाटा कंसलटेंसी सर्विस (टीसीएस) के ऑयन प्रोग्राम के तहत विभिन्न रोजगारोपयोगी एवं औद्योगिक इकाईयों के लिए उपयोगी सर्टीफिकेट कोर्स प्रारंभ करने के लिए अनुबंध किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि टी.सी.एस. ऑयन के अन्तर्गत औद्योगिक क्षेत्रों के लिए उपयोगी ट्रेनिंग तथा पाठ्यक्रम के लिए कंपनी और महाविद्यालय के बीच अनुबंध किया गया। टीसीएस ऑयन की क्षेत्रीय प्रबंधक प्रीति राठौर एवं वाणिज्य संकाय के डॉ. के.एल. राठी, डॉ. शशि कश्यप एवं प्लेसमेन्ट सेल की डॉ. ऋचा ठाकुर की उपस्थिति में अनुबंध पत्र हस्ताक्षरित किया गया।

इस सत्र से वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए बैंकिंग एण्ड केपिटल मार्केट, म्युच्युअल फंड, ई. कॉमर्स आपरेशन, जीएसटी प्रोफेशनल, कस्टमर सर्विस मैनेजमेन्ट, एम.एस.ऑफिस तथा कम्प्यूटर कोर्स प्रारंभ होगें। ये कोर्स 8 से 10 सप्ताह के है तथा न्यूनतम शुल्क पर आनलाईन एवं ऑफलाईन उपलब्ध रहेगें। कंपनी की ओर से प्रशिक्षक उपलब्ध रहेगें जो प्रशिक्षण एवं व्याख्यान के साथ ही टेस्ट लेगें। महाविद्यालय ने इसके लिए डॉ. शशि कश्यप को को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। कंपनी द्वारा महाविद्यालय को इन सर्टिफिकेट कोर्स के लिए अधिकृत किया है।

उल्लेखनीय है कि टीसीएस द्वारा अधिकतर तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में ये पाठ्यक्रम चलाए जाते है किंतु टीसीएस ऑयन ने हायर एजुकेशन के लिए भी औद्योगिक क्षेत्र के लिए उपयोगी पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जा रहे है।

टीसीएस ऑयन द्वारा इन पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जावेगा। कंपनी से अनुबंधित औद्योगिक इकाईयों में रोजगार के अवसर विद्यार्थियों को उपलब्ध होगें। कोर्स की समन्वयक डॉ. शशि कश्यप ने बताया कि अधिकांश कोर्स ऑनलाईन होगें जो महाविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगें।

अंग्रेजी भाषा का कैम्ब्रिज कोर्स बीईसी भी उपलब्ध रहेगा जिसकी आज बहुत मांग है।

महाविद्यालय द्वारा कौशल विकास के अंतर्गत जहाँ विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है वहीं टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईंस के एड ऑन कोर्स भी उपलब्ध कराये गये है।

पढ़ाई के साथ-साथ ही विभिन्न सर्टीफिकेट कोर्स करने से रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होते है। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा निरंतर इसी तरह के प्रयास किए जा रहे है। लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए कोचिंग कक्षाएँ नियमित रूप से चल रही है।

फल एवं खाद्य परिरक्षण कार्यशाला आयोजित
''स्टार्टअप इंडिया'' में भी छात्राओं का चयन

कौशल विकास के अंतर्गत एक सप्ताह का 'फल एवं खाद्य परिरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने महाविद्यालय में स्थापित कौशल विकास केन्द्र के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में छात्राओं को जैम, जेली, मुरब्बा, शर्बत, आचार, चटनी, टोमेटो एवं चीली-सॉस बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। भारत सरकार के फल एवं खाद्य परिरक्षण विभाग के पूर्व निर्देशक अधिकारी विलास डांगे ने छात्राओं को कार्यशाला में आसान विधि से निर्माण की विधियाँ बतलाई। करौंदे, ईमली एवं लीची से चटनी, शर्बत एवं जैम बनाना सिखाया जो काफी पसंद किया गया। कार्यशाला में निर्माण विधियों के प्रशिक्षण के साथ ही मूल्य निर्धारण विधियों पैकेजिंग तथा मार्केटिंग के संबंध में भी जानकारी दी गयी।

कार्यशाला की संयोजक डॉ. बबीता दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं के 2 समूह ने स्टार्टअप इंडिया के दो चरणों में सफल हुई है तथा रायपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। छात्राओं के प्रोजेक्ट को स्टार्टअप इंडिया की कार्यशाला में पसंद किया गया जिसके आधार पर उनका चयन राज्य स्तर पर हुआ। कार्यशाला के समापन दिवस पर छात्राओं द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा बिक्री की गयी। छात्राओं ने बाजार में जाकर इन वस्तुओं के मार्केटिंग एवं मूल्य निर्धारण के गुर भी सीखे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता को बतलाते हुए कौशल विकास के महत्व को रेखांकित किया। प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं ने अपने अनुभव बताए। महाविद्यालय की ओर से प्रशिक्षक विलास डांगे का सम्मान किया गया। कार्यशाला में गृहविज्ञान विभाग की डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा लाकेश, डॉ. अजित भटनागर, श्रीमती मंजू एवं विमल यादव का सराहनीय योगदान रहा।

टेक्सटाईल डिजाइन कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में 7 दिवसीय टेक्सटाईल डिजाइन कार्यशाला का आयोजन कौशल विकास केन्द्र एवं गृहविज्ञान विभाग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में टेक्सटाईल डिजाइन के अन्तर्गत वस्त्र अलंकरण एवं परिधान निर्माण पर विशेष फोकस किया गया तथा प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि इस सात दिवसीय कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. मृदुल चौरसिया, मिनीमाता पॉलिटेक्निक कॉलेज, राजनांदगांव एवं श्रीमती सविता चौधरी, शास. पॉलीटेक्निक, दुर्ग थी। छात्राओं को कार्यशाला में बांधनी कला, छपाई, स्प्रे, कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया गया।

छात्राओं द्वारा बनाये गये वस्त्रों की टेक्सटाईल आर्ट गैलरी में प्रदर्शनी लगाई गयी जिसका विषय विशेषज्ञों ने अवलोकन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य चुना।

कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कौशल विकास केन्द्र के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महाविद्यालय में नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है जो स्वरोजगार तथा कौशल उन्नयन के लिए लाभप्रद है।

कार्यशाला में श्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों प्रस्तुति को पुरस्कृत किया गया।

कार्यशाला में गृहविज्ञान की 100 छात्राओं ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बबीता दुबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. रिमशा, डॉ. शशि कश्यप उपस्थित थे।

मेघा को राज्य खेल अलंकरण पुरस्कार

महाविद्यालय, दुर्ग की बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कु. मेघा सिंह को राज्य खेल अलंकरण समारोह में शहीद कौशल यादव पुरस्कार प्रदान किया गया। बास्केट बाल की इस होनहार खिलाड़ी को इनके पिता श्री मृत्युंजय सिंह जो एक निजी संस्था में कार्यरत हैं, खूब प्रोत्साहित करते है।

महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि मेघा ने 9 सीनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। स्कूल जीवन में ही मेघा ने 2 राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता में पुरस्कृत हो चुकी है।

पिछले सत्र में चेन्नई में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय स्पर्धा में इनके प्रदर्शन को सभी सराहा तथा इन्हे पुरस्कृत किया गया।

मेघा को राज्य खेल अलंकरण समारोह में शहीद कौशल यादव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी तथा जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती जयश्री समर्थ ने बधाई दी।

मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन

महाविद्यालय में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। नगर की समाजसेवी संस्था सत्यम शिवम सुंदरम समिति एवं महाविद्यालय की यूथरेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान में आयोजित इस कैम्प में हृदयरोग, दंत रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, सामान्य स्वास्थ्य के विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित थे। कैंप के संबंध में सुप्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने बताया कि उनकी संस्था लगातार विभिन्न ग्रामों में तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों में इस तरह के कैम्प आयोजित कर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही दवाएँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराते है। यूथ रेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि मेगा कैम्प का छात्राओं को बहुत लाभ मिला। नेत्र विशेषज्ञ से जहाँ नेत्र परीक्षण कराया वहीं डॉ. सुप्रीत चोपड़ा ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण और काउंसिलिंग भी की। सत्यम शिवम सुंदरम समिति के सभी पदाधिकारीयों ने कैम्प की व्यवस्था में लगातार सक्रिय रहें। कैम्प का लाभ महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी उठाया।

बीपी, ई.सी.जी. ब्लड शुगर की जांच की भी सुविधा कैम्प में उपलब्ध थी। कैम्प के संचालन में यूथ रेडक्रॉस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा ग्रीन आर्मी की छात्राओं के साथ ही स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कु. सीमा, अल्पना, खेमलाल, लोमश, मौसमी एवं पूजा तिवारी निरंतर व्यवस्था में लगी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

मिट्टी परीक्षण में छात्राएँ हो रही पारंगत

रसायनशास्त्र विभाग की एम.एससी. की छात्राएँ मिट्टी परीक्षण की तकनीक से पारंगत हो रही है।

किसानों के हितार्थ वैज्ञानिक पद्धति द्वारा खेती एवं कृषि कार्य करने को प्रोत्साहन देने की योजना में विद्यार्थियों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी उद्देश्य को लेकर छात्राएँ रूआबांधा भिलाई स्थिति शासकीय मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में मिट्टी परीक्षण की नई तकनीक से परिचित हो रही है तथा प्रशिक्षण ले रही है। रसायन शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनिता गुप्ता ने बताया कि प्रयोग करके सीखना विज्ञान का आधारभूत सिद्धांत है। महाविद्यालय का रसायन शास्त्र विभाग विभिन्न प्रयोगों को न केवल अपनी प्रयोगशाला में अपितु विभिन्न संस्थाओं की प्रयोगशालाओं से विद्यार्थी को प्रशिक्षित कराता है। इसी क्रम में मिटटी परीक्षण की कृषि कार्य में महती भूमिका है जिससे मिट्टी की गुणवत्ता का पता चलता है। एम.एससी रसायन की छात्राएँ शासकीय मिट्टी परीक्षण केन्द्र भिलाई में मिट्टी की गुणवत्ता का परीक्षण करना सीख रही है।

इस केन्द्र में नई तकनीक के उपकरण मौजूद है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि शासकीय मिट्टी परीक्षण केन्द्र से एटामिक एब्सार्पशन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, डबल बीम स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की सुविधा उपलब्ध है। छात्राओं ने इन उपकरणों की सहायता से मिट्टी में उपस्थित विभिन्न तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस, कॉपर, आयरन, बोरॉन, पोटैशियम, कार्बनिक पदार्थ के साथ मिट्टी की चालकता एवं पी.एच. मान ज्ञात करना सीखा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि भविष्य में महाविद्यालय की रसायन प्रयोगशाला में भी मिट्टी परीक्षण की सुविधा उपलब्ध करायी जावेगी जिससे कृषि कार्य में लगे कृषक अपने खेत की मिट्टी की जानकारी हासिल कर सकेगें।

प्रयोगशाला के तकनीकी प्रभारी अभिषेक आडिल एवं संजीव जेना, कु. स्वाति राजपूत ने छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अरविंद साहू, कु. हिमांशु एवं कु. ऐश्वर्या ने छात्राओं के साथ प्रशिक्षण सत्र में मार्गदर्शन दिया ।

मानसिक स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण : डॉ. आकांक्षा दानी

दुर्ग मेडिकल सेन्टर तथा जिला स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्राओं के मानसिक विकास एवं मानसिक समस्याओं के लिए मार्गदर्शन हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया।

सुप्रसिद्ध मनोविशेषज्ञ डॉ. आकांक्षा गुप्तादानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और महत्वपूर्ण भी है। हम इस पर ध्यान न देकर लापरवाही बरतते है जिससे छोटी-छोटी बातें एक बड़ी गंभीर समस्या का रूप ले लेती है। उन्होनें अवसाद पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि किशोर अवस्था में हम उचित मार्गदर्शन एवं सलाह के अभाव में हत्तोसाहित हो जाते है और धीरे-धीरे यह अवसाद का रूप ले लेता है। छात्राएँ ज्यादा इससे प्रभावित हो जाती है।

डॉ. आकांक्षा ने बताया की आत्महत्या की घटनाएँ भी छोटी-छोटी सी बातों को लेकर बढ़ रही है। हमें अपना मनोबल, आत्मविश्वास बढ़ाए रखना है जिसके अभाव में हम अपने अमूल्य जीवन को खो बैठने का दुस्साहस कर बैठते है। मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने भी छात्राओं को मानसिक अस्वस्थता के संबंध में विस्तार से बताया और निराकरण के टीप्स दिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के समय के तनाव से हम परिचित है जिससे हमें नुकसान ही होता है। उसके लिए वर्षभर समयबद्ध ढंग से पढ़ाई की जावे तो यह तनाव नहीं होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी तरह जीवन में घटने वाली छोटी-छोटी घटनाओं से घबराए नहीं हर परिस्थिति में मनोबल ऊँचा रख कर ही सफल हो सकते है।

सामान्य ज्ञान बढ़ाने अनूठी पहल

महाविद्यालय में छात्राओं में सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक जानकारियों से अवगत कराने आई.क्यू.ए.सी. ने नई पहल की है। प्रति सप्ताह सोमवार को एक प्रश्न पूछा जाता है जो सामान्यज्ञान, बौद्धिक क्षमता, विज्ञान, सामयिक घटनाओं पर आधारित होता है। इसके लिए एक उत्तर बॉक्स रखा गया है जिसमें छात्रायें शुक्रवार तक अपने उत्तर लिखकर डालती है। प्रति शनिवार को प्राप्त सही उत्तर में से लाटरी द्वारा 3 छात्राओं को पुरस्कार दिए जाते है। इस पहल के पहले चरण में ही छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. किरण गजपाल ने महाविद्यालय के इन प्रयासों की सराहना की तथा छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये। डॉ. गजपाल ने कहा कि प्रतियोगिता परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है इस तरह की स्पर्धाएँ छात्राओं को प्रेरित करती है और उनके अंदर आत्मविश्वास जगाती है।

महाविद्यालय के निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक डॉ. किरण गजपाल ने महाविद्यालय में संचालित ऑनेस्टी कॉर्नर की सुविधाओं की प्रशंसा की तथा इसे छात्राओं के हित में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों को सराहा।

गरबा नृत्य स्पर्धा में भारती समूह प्रथम रहा

महाविद्यालय में देसी डे का आयोजन किया गया। यह आयोजन अपनी संस्कृति को जीवन में ढालने और उस पर गर्व करने के महती उद्देश्य से विगत दो वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर नृत्य विभाग द्वारा गरबा नृत्य प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें 16 समूहों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से छात्रायें देश की विभिन्न सांस्कृतिक विरासत से परिचित होती है और फिर वे सांस्कृतिक परम्परा की वाहक भी बनती है। प्राचार्य महोदय ने देसी डे के अवसर पर छात्राओं द्वारा भारतीय परिधान के पहनने पर उन्हें साधुवाद दिया। इस दिन छात्राओं ने पाश्चात्य वेशभूषा का पूर्णतः परित्याग किया। बड़ी संख्या में उपस्थित छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुये उन्हें मतदान की शपथ भी दिलाई गई। गरबा प्रस्तुति करने वाली छात्राओं ने भी मतदान के दिन सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। नृत्य विभाग की प्राध्यापक डॉ. गचा ठाकुर ने बताया कि भाग लेने वाले सभी समूहों के नाम भारतीय स्वरूप में रखे गये थे। जैसे- नटराज, कांवरिया, गरबावली, मोहिनी, भारती, गरबा रास, शक्ति आदि। स्पर्धा में प्रथम स्थान पर भारती डांडिया समूह, द्वितीय - गरबा रास तथा तृतीय स्थान शक्ति एवं मोहिनी समूह रहा। कड़ी स्पर्धा में प्रथम रहे भारती समूह में प्रिया देवांगन, शीतल निषाद, भारती गुप्ता, यामिनी साहू, चंचल त्रिपाठी, मनीलता, सरस्वती, पोमा यादव, तुलिका साहू, भारती बैरागी।

प्रतियोगिता के निर्णायक श्वेता नायक, टी.एस. सुनयना एवं राजेन्द्र सुनगरिया थे। इस अवसर पर महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती जयश्री समर्थ एवं प्राध्यापक एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बापू की विचारधारा से विश्व प्रभावित रहा है।

महाविद्यालय द्वारा महात्मा गाँधी जयंती की 150वीं जयंती के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पहले दिन रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। रंगोली का विषय लोक संस्कृति एवं महिला सशक्तीकरण पर आधारित था। इसमें कु. ओजस्वी (बी.एससी.-प्रथम) ने प्रथम, मधु (बी.एससी.-द्वितीय) ने द्वितीय तथा वंदना (बी.कॉम.-प्रथम) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम रहीं गरिमा निर्मलकर, (बी.एससी.-प्रथम), विभा सोनी (बी.एससी.-प्रथम) एवं देवकी गायकवाड (बी.ए.-द्वितीय) ने द्वितीय स्थान तथा प्रगति देशमुख (बी.एससी.-तृतीय) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह का शुभारंभ करते हुये प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि बापू की विचारधारा से पूरा विश्व प्रभावित रहा है उन्होनें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संपूर्ण विश्व को नई ऊर्जा प्रदान की है।

दूसरे दिन वाद-विवाद एवं परिचर्चा स्पर्धा रखी गई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय - ''21वीं सदी के भारत में अहिंसा का विचार ही पूर्णतः प्रासंगिक है'' इसके पक्ष में प्रथम रही अनामिका झा एवं द्वितीय रही प्रज्ञा मिश्रा तथा विपक्ष में प्रथम मीता डड़सेना एवं द्वितीय करूणा चंद्राकर रहीं। वर्तमान विषय में गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता विषय पर परिचर्चा में प्रथम स्थान पर रानू टिकरिया, द्वितीय - ख्याति देवांगन एवं तृतीय लक्ष्मी ठाकुर रहीं।

गांधी जयंती के अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा परिसर स्वच्छता कार्यक्रम किया गया। अंतिम दिवस चित्रकला संबंधी स्पर्धायें रखी गई। महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम-फरहीन शेख, द्वितीय आफरीन अली एवं तृतीय स्थान पर आकांक्षा रही । स्वच्छता पर आधारित ऑन द स्पॉट पेंटिंग में सुचिस्मिता दीक्षित प्रथम, द्वितीय-कैसर बानो एवं तृतीय स्थान पर रही आफरीन अली। क्ले मॉडलिंग में छात्राओं ने महात्मा गांधी के चेहरे को स्वरूप प्रदान किया जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया कावेरी कुम्भकार ने द्वितीय - मीता डड़सेना एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया रानू टिकरिया ने।

उक्त प्रतियोगिताओं का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश, कु. शबीना, डॉ. अनुजा चौहान, श्री योगेन्द्र त्रिपाठी, श्रीमती ज्योति भरणे, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी आदि ने किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती में पूरे सत्र विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

गुलब्शा ने बॉस्केटबॉल की राष्ट्रीय टीम में परचम लहराया

महाविद्यालय की बी.ए. भाग-1 की छात्रा कु. गुलब्शा अली ने न केवल महाविद्यालय का बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। गुलब्शा अली ने बेंगलुरू में फीबा वर्ल्डकप (बॉस्केटबॉल) में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। गुलब्शा टीम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पुरस्कृत की हुई।

महाविद्यालय परिवार ने आज इस होनहार खिलाड़ी का सम्मान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि गुलब्शा के पिता अख्तर अली सब्जी के व्यवसाय में थे और घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद गुलब्शा ने दिया बत्ती बेचकर अपने जूनून को बरकरार रखा। कैम्प-1 की शा. स्कूल से उसके बॉस्केटबॉल खेलने का सफर शुरू हुआ। बॉस्केटबॉल के कोच राजेश पटेल ने उसके खेल को देखकर उसे आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित किया। गुलब्शा की माँ तबस्सुम ने अपने बेटी के खेल के जूनून को आगे बढ़ाने में भरपूर मदद की। गुलब्शा को भारतीय रेल्वे में नौकरी भी मिल गई है।

गुलब्शा अली ने बताया कि उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण मिला जिसके कारण आज वे इस मुकाम तक पहुँची है। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे के सहयोग को सराहते हुए गुलब्शा ने बताया कि फोन के माध्यम से भी मैडम हमें मार्गदर्शन देती रहती है जब हम बाहर खेलने गए होते है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. निसरीन हुसैन एवं डॉ. मुक्ता बांख्ला ने अपने अनुभव सांझा किये तथा विद्यार्थियों को खेल के लिये प्रोत्साहित किया।

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न आयोजन
सही जानकरी और उचित सावधानी जरूरी :- डॉ. तमेर

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं विशेषज्ञ चिकित्सक का संवाद रखा गया। इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में शहर की सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. उज्जवल तमेर ने छात्राओं को एड्स के विषय की जानकारी ही नहीं दी बल्कि संवाद के माध्यम से उनके प्रश्नों के जवाब भी दिए।

डॉ. तमेर ने बताया कि तमाम वैज्ञानिक विकास के बावजूद आज भी एच.आई.वी.-एड्स एक लाइलाज बीमारी के रूप में कठिन चुनौती बना हुआ है। इससे बचाव का एक ही जरिया है - सहीं और सटीक जानकारी व उचित सावधानी बरतना।

उन्होनें बताया कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता के अभियानों में सबसे ज्यादा यौन संबंधों को ही टारगेट किया जाता है लेकिन एचआईवी संक्रमण फैलने का केवल यही वजह नहीं है। संक्रमित खून या अन्य रक्त उत्पादों के इस्तेमाल भी कारण होते है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति बीमारी से नहीं बल्कि अपने प्रति समाज के रवैये से ज्यादा भयमित एवं दुखी रहता है। यही वजह है कि 75 प्रतिशत एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति अपने कामकाज की जगह पर अपनी बीमारी की बात छिपाकर रखते है। इसमें लिंग भेदभाव भी दिखाई देता है। इस बीमारी में गलतफहमियाँ, अज्ञानता इसे भयावह रूप दे देती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने एड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए यूथ रेडक्रॉस द्वारा चलाये जा रहे है जागरूकता अभियान के विषय में जानकारी दी।

इस अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. लक्ष्मी देवांगन बी.एससी.-2, द्वितीय कु. तब्बसुम एम.एससी-3 सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान कु. पूजा निर्मलकर- बी.ए.-2।
निबंध प्रतियोगिता में प्रथम कु. सबीना बेगम-बी.एससी-3, द्वितीय रेशमा साहू-बी.एससी-2, तृतीय शिवकली मिरी-बी.एससी-2

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम कु. भूमिका तिवारी एम.ए.-अर्थशास्त्रा, द्वितीय कु. रानू-बी.एससी-2 तथा तृतीय स्थान पर कु. मधु गौतम एवं शिल्पी शर्मा रहीं।

यूथ रेडक्रॉस की टीम ने नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जिसमें एड्स से बचाव एवं सावधानियों पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदर्शित की। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को राज्य एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा नगद पुरस्कार दिये गये।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. रेशमा लाकेश ने आभार प्रदर्शित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

कॉलेज की 07 छात्राएँ राष्ट्रीय स्पर्धा में शामिल

महाविद्यालय, की बॉस्केटबॉल की 07 खिलाड़ी छात्राएँ ग्वालियर में होने वाली अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हेमचदं यादव विश्वविद्यालय दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेंगी।

क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि 26 दिसंबर से लक्ष्मीबाई इंस्टीट्यूट ऑफ फिजीकल एजुकेशन ग्वालियर में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली मेघा सिंह, पी. करूणा, टी. दिव्या, के. राजलक्ष्मी, वेनिला बेन्सन, काजल सिंह, अंकू अंबीलकर ये सभी खिलाड़ी छात्राएँ राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बना चुकी है।

उल्लेखनीय है कि इन सभी छात्राओं ने पूर्वी जोन विश्वविद्यालय बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता गुवाहाटी में दुर्ग विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था और विजेता बनी थी। ये सभी छात्रायें नियमित रूप से बॉस्केटबॉल का प्रशिक्षण लेती है। महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में इनका वर्चस्व रहता है।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं क्रीड़ा समिति के डॉ. के.एल. राठी ने बधाई दी है।

मेघा सिंह

पी. करुणा

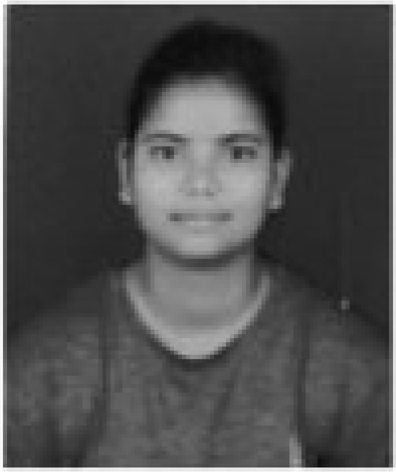

टी. दिव्या

के. राजलक्ष्मी

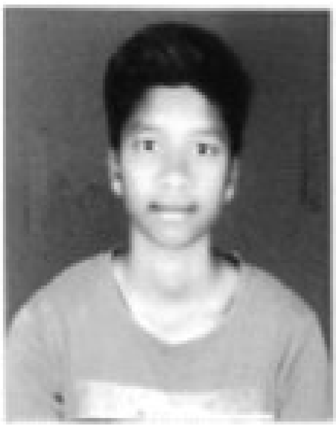

वेनिला विल्सन

काजल सिंह

अंकू अंबिलकर

नये वर्ष में छात्राओं ने लिया संकल्प
'नो प्लास्टिक' - करेगें पर्यावरण सुरक्षित

महाविद्यालय, दुर्ग की छात्राओं ने नये वर्ष में संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करेगीं एवं इसके होने वाले प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने जागरूकता अभियान चलाएगी।

यूथरेडक्रॉस की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि यूथरेडक्रॉस, ग्रीनआर्मी तथा गृहविज्ञान की छात्राओं ने नये वर्ष पर आज संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने मुहिम चलाएंगी। अपने परिसर से इसकी शुरूआत की।

डॉ. रेशमा लाकेश कहती है पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के लिए प्लास्टिक एक बहुत बड़ा खतरा बनकर उभरा है। पूरे विश्व में प्लास्टिक का उपयोग इस कदर बढ़ चुका है कि इसके कचरे से पूरी पृथ्वी के चार घेरे बन जाएं।

हम जो कचरा फेकते है उसमें प्लास्टिक का एक बड़ा हिस्सा होता है। प्लास्टिक नॉन-बॉयो डिग्रेडेबल होता है। अर्थात् ऐसे पदार्थ जो बैक्टीरिया के द्वारा ऐसी अवस्था प्राप्त नहीं कर पाते जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुंचे। प्लास्टिक की छोटी पॉलीथीन थैली को नष्ट होने में हजारो वर्ष लगते है। नये वर्ष पर छात्राओं ने 'नो प्लास्टिक' पर पोस्टर प्रदर्शनी लगायी जिसमें प्लास्टिक के रसायन और उसके दुष्प्रभावों पर चित्र बनाए गए थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्रतिवारी ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की तथा नियमित रूप से पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को करने तथा हरियाली के लिए सार्थक प्रयास करने का आव्हान किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. निसरीन हुसैन ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

मध्य जोन युवा उत्सव में
शुचिस्मिता ने जीता कांस्य

आल इंडिया यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में संबलपुर (ओड़िसा) में 7 से 11 जनवरी तक आयोजित 34वीं मध्यजोन अंतर विश्विविद्यालयीन युवा उत्सव में शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की बी.ए. भाग-1 की छात्रा कु. शुचिस्मिता दीक्षित ने स्पॉट पेंटिग स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। कु. शुचिस्मिता 01 से 5 फरवरी तक चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगीं।

चित्रकला विभाग के प्रो. योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि शुचिस्मिता प्रारंभ से चित्रकला में पारंगत है। वह मूक-बधिर छात्रा है, संकेतों के माध्यम से उसे निर्देश मिलता है और ब्रश से कमाल करती है। इसके पहले भी वह कई प्रतियोगिताएँ जीत चुकी है।

मध्यजोन युवा उत्सव में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने कई विधाओं में हिस्सेदारी की थी। शुचिस्मिता को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. ऋचा ठाकुर ने बधाई दी है।

'प्री-प्लेसमेन्ट ट्रेनिंग' आयोजित

महाविद्यालय में कॅरियर गाईडेंस सेल एवं वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में सात दिवसीय ''प्री-प्लेसमेन्ट ट्रेनिंग'' का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि ''कैम्पस चयन'' के लिए गैर तकनीकी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को काफी कठिनाई एवं प्रशिक्षण के अभाव का सामना करना पड़ता है जिससे वे कई अच्छे अवसरों से चूक जाते हैं।

वर्तमान में तकनीकी महाविद्यालयों में आयोजित होने वाले 'कैम्पस चयन'' में स्नातक उत्तीर्ण गैरतकनीकी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया जाता है। इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों की सफलता सुनिश्चित करने सात दिवसीय प्री प्लेसमेन्ट ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. शशि कश्यप ने बताया कि इम्पेक्ट ट्रेनिंग सर्विसेस के सहयोग से एक सप्ताह का प्रशिक्षण छात्राओं को दिया गया। कंपनी के एक्सपर्ट श्री वैभव सिंह एवं सुश्री सीमा शाह ने प्रतिदिन प्लेसमेन्ट के विभिन्न बिन्दुओं पर छात्राओं को सैद्धांतिक एवं प्रयोगिक जानकारी दी गयी।
प्रथम दिन बायोडाटा (रेज्यूम) तैयार करना सिखाया गया। पूरी कार्यशाला 'खुद करके देखो और सीखो' पर आधारित थी। जिससे छात्राओं में उत्साह था और स्वयं उन्होनें अपने को इसके लिए तैयार किया।

दूसरे दिन साक्षात्कार के गुर सिखाए गये जिसमें व्यवहार एवं व्यक्तित्व की बेहतर प्रस्तुति पर मॉक प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे दिन ग्रुप डिस्कशन के संबंध में सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सत्र हुआ तथा समूह चर्चा करायी गयी।

ग्रुप डिस्कशन का मॉक प्रशिक्षण काफी रोचक रहा जिसमें विभिन्न ज्वलंत प्रश्नों पर चर्चा हुई और एक्सपर्ट ने मूल्यांकन किया। इंटरव्यू का मॉक टेस्ट हुआ। साक्षात्कार के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर अभ्यास कराया गया। एक्सपर्ट विकास सिंह ने इस दौरान छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके अंदर के डर और भय को दूर कर बेहतर इंटरव्यू की प्रस्तुति का अवसर दिया।

सत्र के अंतिम दिन पर्सनाल्टी टेस्ट और सवाल जवाब का सत्र हुआ जिसमें प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया गया वहीं प्रतिभागियों ने भी इस ट्रेनिंग का फीडबैक प्रस्तुत किया। समापन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस प्रकार के आयोजन को कॅरियर गाईडेंस के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की तथा कैंपस इंटरव्यू में सफलता प्राप्त करने के लिए प्री-ट्रेनिंग सत्र का नियमित रूप से आयोजन की जानकारी दी। इस ट्रेनिंग सत्र में 50 छात्राओं ने भाग लिया जिन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कॉलेज में एक्वा क्लब का गठन

महाविद्यालय, 'जल संरक्षण' की दिशा में सक्रिय भूमिका के निर्वहन हेतु ''एक्वा क्लब'' का गठन किया गया। स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग में विज्ञान संकाय की छात्राओं को जल संरक्षण के लिये जागरूकता अभियान चलाने तथा महाविद्यालय में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि रसायन प्रयोगशाला में जल परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है। छात्राएँ विभिन्न जल स्त्रोतों का परीक्षण करना सिखेंगी। वहीं निःशुल्क जल परीक्षण किया जा सकेगा।

इसके लिए एक्का क्लब की छात्राओं को विधिवत प्रशिक्षित किया जा रहा है। क्लब की छात्राएँ विभिन्न वार्डों तथा ग्रामों में जाकर जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं के साथ जल स्त्रोतों के आसपास सफाई भी करेगी। कृषि क्षेत्र में ड्रीप इरिगेशन तथा घरेलू जल उपयोग में पानी के दुरूपयोग रोकने के लिए सार्थक प्रयास की पहल करेगी।

एक्वा क्लब की सदस्यों ने जल संरक्षण पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगायी तथा छात्राओं को इसका महत्व बतलाया। साथ ही सदस्यों ने परिसर में नलों की टोंटी को बंद रखने तथा पानी के दुरूपयोग को रोकने अभियान चलाया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रसायन विभाग के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि जल परीक्षण के लिये प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जायेंगे। रसायनशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती गुप्ता एवं डॉ. रेशमा लाकेश ने छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

30 छात्राएँ उद्यमी बनने संकल्पित

कौशल विकास केन्द्र के प्रयासों से महाविद्यालय के 30 छात्राएँ जिनमें नियमित एवं पूर्व छात्राएँ शामिल है ने उद्यमी बनने कृत संकल्प किया है। छत्तीसगढ़ इण्डस्ट्रियल एवं टेक्नीकल कंसलटेन्सी सेंटर (सिटकॉन) एवं राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली के तत्वाधान में एक माह के प्रशिक्षण का समापन हुआ। सिटकॉन के राज्य प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने समारोह में छात्राओं को प्रमाणपत्र दिए तथा सफल उद्यमी बनने के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. निमोनकर ने कहा कि इस प्रशिक्षण के उपरांत आगे क्या-क्या चरण होगें उसके संबंध में जानकारी देते हुए समूह में तथा एकल प्रणाली उद्योग के लिए प्रेरित किया। उन्होनें कहा कि मेहनत, लगन एवं संघर्ष से ही प्रारंभिक चरण में सफलता मिलती है। पत्थर के तरासने से मूर्ति बनती है वहीं कई पत्थर राह के किनारे यूं ही पड़े रहकर ठोकर खाते रहते है। इसी कारण बाधायें एवं तकलीफ से हारना नहीं बल्कि सीखना चाहिए।

सिटकॉन की प्रशिक्षण प्रभारी श्रीमती प्रतिमा गुप्ता ने बताया कि एक माह के प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें व्यक्तित्व विकास, उद्योग व्यवसाय-चयन, बाजार सर्वेक्षण, स्थानीय संसाधन की जानकारी, पैंकेजिंग एवं मूल्य निर्धारिण तथा गण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गयी। परियोजना तैयार करना एवं रिपोर्ट बनाना सिखाया गया।

इस एक माह के प्रशिक्षण में बैंक अधिकारियों एवं सी.ए. तथा उद्योगों से जुड़े व्यवसायियों ने भी छात्राओं को अनुभव सांझा किए तथा प्रशिक्षण दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विगत 2 वर्षों से सतत् रूप से छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। लघुउद्योग, कुटीर उद्योग में कई छात्राओं ने सफल प्रयास किये है जो कि बड़ी उपलब्धि है। अभी भी महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र द्वारा कुकिंग, ब्यूटीशीयन एवं ड्रेस डिजाईनिंग पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण दिया जावेगा। आत्मनिर्भरता की दिशा में छात्राओं को प्रेरित एवं मजबूत करने के प्रयास में सिटकॉन एवं नई दिल्ली के राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सहयोग उगेखनीय है जिनके माध्यम से लगातार निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. बबिता दुबे ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि छात्राओं ने बहुत ही प्रभाशाली व उपयोगी प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए है जिस पर आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। प्रतिभागी छात्राओं में कु. तब्बसुम, कु. रानू, कुं. आनंदिता ने अपने विचार रखे तथा इस प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी बताया। सिटकॉन के प्रशिक्षक श्री सुप्रभातशील ने कहा कि छात्राओं ने मार्केटिंग के साथ औद्योगिक इकाईयों में जाकर महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की है जो उन्हें स्वरोजगार की दिशा में मदद देगी। छात्राओं ने वाशिंग पावडर, नैप्थलीन गोली, कैंडल, ब्रेकरी प्रोडक्ट, फिनायल, लिक्विड सोप, अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण लिया और इनका विक्रय कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया।

सिटाकॉन के प्रमुख प्रसन्न निमोनकर ने महाविद्यालय में स्थायी उद्यमिता सेंटर की स्थापना की घोषणा की जिससे छात्राओं को लगातार मदद मिल सकेगी।

दुल्हन सजाओ तथा नृत्य स्पर्धा में विभिन्न प्रांतों की संस्कृति की झलक

महाविद्यालय में चल रही वार्षिक स्पर्धाओं के दूसरे दिन रोचक प्रतियोगिताओं में भारत की पारंपरिक संस्कृति को मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं लोक संस्कृति की बानगी देखते ही बनती थी। साहित्यिक स्पर्धाओं में नवा छत्तीसगढ़ पर छात्राओं ने विचार रखें।

दुल्हन सजाओं प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में 8 प्रतिभागियों ने पं. बंगाल, बिहार, जम्मू कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, गुजरात प्रदेश की दुल्हन वेशभूषा में प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल ने प्रत्येक से उस प्रदेश की परंपरा एवं वेशभूषा से संबंधित प्रश्न भी पूछे। जिसका बड़ी बेबाकी से छात्राओं ने जवाब दिया। इसमें प्रथम स्थान पर कु. हर्षा सहारे, बी.ए. भाग-3, द्वितीय स्थान पर निकहत अंजुम एम.ए. एवं तृतीय स्थान पर सिमरन बी.एससी भाग-1 रहीं।

एकल एवं युगल तथा समूह नृत्य स्पर्धा में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भागीदारी की। इसमें भी विभिन्न प्रांतों के पारंपरिक लोकनृत्यों के साथ ही देशभक्ति से ओतप्रोत नृत्य की बानगी देखते बनती थी। छत्तीसगढ़ी नृत्यों ने तो पूरा माहौल संगीतमय कर दिया। लोक परिधान में छात्राओं ने प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीतों पर बेहतरीन प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इन स्पर्धाओं में विजेता प्रतिभागियों को वार्षिक उत्सव में प्रस्तुति का मौका मिलेगा।

साहित्यिक स्पर्धाओं में नवा छत्तीसगढ़ सपने और संभावनाएँ विषय पर आयोजित परिचर्चा में कु. रूचि शर्मा ने प्रथम तथा कु. रानू एवं कु. हिमानी ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता जिसमें कु. निकहत अंजुम एवं रानू ने प्रथम स्थान तथा कु. रूचि शर्मा एवं गरिमा सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, श्रीमती ज्योति भरणे, डॉ. तृप्तिबाला एवं किरण वर्मा ने संयोजन एवं संचालन किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

भाषा-संप्रेषण एवं प्रस्तुति पर व्याख्यान
साधना अभ्यास से आती है - डॉ. चन्द्र कुमार जैन

महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत प्रख्यात वक्ता और शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. चंद्रकुमार जैन का भाषा, संप्रेषण और प्रस्तुति पर रोचक व्याख्यान आयोजित हुआ। डॉ. जैन ने छात्राओं को बताया कि शब्द तो अपने आप में ज़डे होते है उसमें चेतना का प्राण फूँकने वाला तो वक्ता होता है। शब्द केवल शोर और तमाशा नहीं है शब्द तो ब्रम्ह है। भाषा सधी हुई होनी चाहिए और सधी भाषा साधना का काम है। साधना अभ्यास से आती है। 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।'

डॉ. जैन ने कहानी के माध्यम से छात्राओं को समझाया कि निर्भय होकर अपने आपको पहचानिए और अभिव्यक्ति का कोई भी अवसर न चूकिए। संप्रेषण की अनिवार्य शर्त अच्छा श्रोता बनना होता है। संप्रेषण में वक्ता को विषय की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए। विषय और परिवेश के अनुसार स्वर के अनुपात, प्रवाह, आरोह-अवरोह के साथ ही भाव-भंगिमा में परिवर्तन होना जरूरी है। अगर अ%छा बोलना कला है तो उचित अवसर पर बोलना आवश्यक न हो तो खामोश रहना उससे ब़डी कला है। जिसको मुक्तिबोध ने 'समझदार चुप्पी' कहा है। अपने कहे को दूसरे की जीवन का अनुभव बना देना तुलसी और कबीर जैसी क्षमता है। जिसके मूल में संप्रेषण की कला है।

डॉ. जैन ने सम्प्रेषण की व्यापकता में संकेत, छात्राओं द्वारा परीक्षा में लिखे उत्तर को तथा स्नेह और संवेदना के हाथ को भी शामिल किया। शक्ति, कमजोरी, अवसर और चुनौती के ये चार तत्व व्यक्ति की भाषा, संप्रेषण, कला एवं व्यक्तित्व के विकास में ब़डी भूमिका निभाते है। प्रस्तुति से ही व्यक्तित्व उभरता है। प्रस्तुति चाहे किसी भी माध्यम से क्यों न हो आकर्षक एवं सटीक होना चाहिए।

उन्होनें कहा कि शब्द, भाषा के अनुसार ही भाव-भंगिमा संकेत प्रस्तुति को मुकम्मल बनाती है। डॉ. जैन ने अपने कविता संग्रह से कुछ पंक्तियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास की जीवन में अहमियत समझायी। सरकारी या प्राईवेट नौकरी या जीवन संघर्ष में भाषा और सम्प्रेषण व्यक्ति के सबसे सशक्त और भरोसेमंद हथियार होते है। महाविद्यालय का काम शिक्षा के साथ ही ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं के व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाना भी है।

आई.क्यू.ए.सी. की प्रभारी डॉ. अमिता सहगल ने आज के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. शशि कश्यप, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. ज्योति भरणे तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. जैन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध रचनाकार स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया को भावांजली अर्पित की गई। डॉ. जैन ने 'मोर संग चलव रे गीत' प्रस्तुत किया।

'ज्वेलरी डिजाईनिग' पर कार्यशाला

महाविद्यालय में 'ज्वेलरी डिजाईन में कॅरियर' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी डिजाईनिंग के द्वारा आयोजित कार्यशाला में इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर रश्मि गुप्ता द्वारा ज्वेलरी डिजाईनिंग के सर्टीफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

उन्होनें बताया कि आभूषण बनाना एक कला एवं व्यवसाय है। जिसमें रचनात्मकता का समावेश करने से वह सौन्दर्य का प्रतीक बन जाता है। उन्होनें डिजाईन की विभिन्न प्रतिकृतियों के माध्यम से सविस्तार चर्चा की। श्रीमती गुप्ता ने इसे कॅरियर के रूप में अपनाने तथा प्रशिक्षण की संबंधी विभिन्न संस्थाओं एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। कौशल विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि संस्था की श्रीमती विनिता गुप्ता ने भी ज्वेलरी और व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया जिसमें छात्राओं ने आभूषणों से संबंधित प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। अच्छे प्रश्नों पर संस्था के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि कौशल विकास के जरिये स्वरोजगार एवं कॅरियर के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। ज्वेलरी डिजाईनिंग में प्रशिक्षित होने पर इससे रोजगार के बहुत से अवसर है।

कार्यशाला में ८० छात्राओं ने अपनी भागीदारी दी। इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी डिजाईनिंग द्वारा छात्राओं के लिए प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जा रही है। अंत में डॉ. बबीता दुबे ने आभार व्यक्त किया।

सेक्टर स्तरीय हैण्डबाल प्रतियोगिता में

कन्या महाविद्यालय लगातार छठवीं बार विजेता

मनसा शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित सेक्टर स्तरीय हैण्डबाल प्रतियोगिता में शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की टीम ने विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता लीग आधार पर खेली गई शासकीय कन्या महाविद्यालय ने अपने सभी लीग मैच जीतकर विजेता रहा। अपने पहले लीग में शासकीय महाविद्यालय धमधा को 20-0 से, द्वितीय लीग में महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 को 15-0 से एवं अंतिम लीग में मनसा महाविद्यालय भिलाई को 12-10 से परास्त किया। महाविद्यालय की टीम की ओर से इन्दु, ए.प्रिया राव, रेवती, दुर्गा स्वामी, रेशमा सोनानी, भजन्ती नायक, मेघा देशमुख ने उत्कृष्ठ खेल का प्रदर्शन किया। शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग की टीम इस प्रकार थी - कु. इन्दु (कप्तान), ए.प्रिया राव, रेवती, दुर्गा स्वामी, रेशमा सोनानी, भजन्ती नायक, मेघा देशमुख, व्ही.कृतिका, धनेश्वरी साहू, चन्द्रकला, गुलशन, लक्ष्मी ठाकुर, प्रज्ञा सोनी, टीम मैनेजर डॉ. ऋतु दुबे, प्रशिक्षक कु. रजनी थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. के.एल. राठी तथा महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी।

वार्षिक खेल प्रतियोगिताएँ

तलवारबाजी का रोमांच और मटकाफोड़ की धूम रही

दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत महाविद्यालय में कई खेल विधाओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने वर्षभर की क्रीड़ा उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आज की प्रतियोगिता में तलवारबाजी प्रतियोगिता काफी रोमांचक रही। कु. यामिनी गंधर्व एवं यामिनी देशमुख तथा कु. उर्मिला एवं कु. नंदनी ने तलवारबाजी के कारनामों से रोमांचित कर दिया। ये सभी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखा चुकी है। मटकाफोड़ प्रतियोगिता काफी मनोरंजक रही। इस प्रतियोगिता में 60 छात्राओं ने भागीदारी की जिसमें छात्रसंघ अध्यक्ष कु. तबस्सुम विजेता रही।

कैरम एकल प्रतियोगिता में रानी साहू (बी.ए.2) प्रथम तथा हीरामणी साहू (बी.ए.1) द्वितीय रही। कैरम युगल में प्रथम स्थान पर कु. किरण साहू एवं गोली की जोड़ी रही तथा द्वितीय स्थान पर नीलम परिहार और हीरामणी रही।

डॉजबाल प्रतियोगिता भी काफी रोचक व मनोरंजक रही। छात्राओं के विभिन्न समूहों ने इसमें भाग लिया। प्रथम स्थान पर चक दे इंडिया ग्रुप तथा द्वितीय स्थान पर नारी शक्ति ग्रुप रहा। क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का संयोजन डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. लता मेश्राम, भावना दिवाकर, रूपेश कुमार, नेहा यादव, किरण वर्मा, दिनेश गायकवाड़ ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

समय प्रबंधन से मिलती है मंजिल - डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने छात्राओं को आव्हान किया कि नारी शक्ति जब सशक्त, संगठित और जागरूक होगी तब हमारा देश विश्व में सर्वशक्तिमान होगा। उन्होनें कहा कि समय का प्रबंधन सही हो तो हमारी सफलता निश्चित होगी। नारी सशक्तिकरण और आधी-आबादी के विकास की चर्चा करते हुए उन्होनें शिक्षकीय जीवन से राजनीति में प्रवेश के संस्मरण बताए। उन्होनें लक्ष्य के निर्धारण को महत्वपूर्ण बताया। समारोह में महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. लक्ष्मी ध्रुव का शॉल और श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय बॉस्केट बॉल खिलाड़ी तथा उपपुलिस अधीक्षक श्रीमती अनामिका जैन थी। श्रीमती जैन महाविद्यालय की पूर्व छात्रा है। उन्होनें छात्राओं से कहा कि खेल के साथ-साथ अध्ययन भी उतनी ही लगन से होना चाहिए। क्रीड़ा और पढ़ाई में संतुलन जरूरी है। उन्होनें सोशल मीडिया के कारण समय के व्यर्थ जाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम समय सारणी बनाये जिसमें मोबाईल के उपयोग के लिए भी समय निश्चित करें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि हमारी दोनों प्रतिभाशाली अतिथि छात्राओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। दोनों ने ही मेहनत व ईमानदारी से लक्ष्य के प्रति समर्पण से सफलता पायी है। क्रीड़ा के क्षेत्र में महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने महाविद्यालय की 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ी छात्राओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार दिलाये। जिला स्तरीय अंतर्महाविद्यालयीन 05 खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की टीम को पुरस्कार प्रदान किये। समारोह में महाविद्यालय की दिवंगत छात्रा गरिमा सक्सेना के अभिभावक श्री विनय सक्सेना भी उपस्थित थे। उन्होनें अपनी पुत्री की स्मृति में नृत्य स्पर्धा के प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में क्रीड़ा, सांस्कृतिक, साहित्यिक प्रतिस्पर्धाओं में विशिष्ट प्रतिभाशाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पुलवामा में शहीद हुए नौजवानों को मौन श्रद्धांजली भी अर्पित की गयी।

'बोनसाई' कला पर कार्यशाला

गृहविज्ञान के तत्वावधान में बोनसाई कला पर कार्यशाला आयोजित की गयी। गृहविज्ञान की स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम के अनुरूप बोनसाई कला, लेंड स्केपिंग और टेरेस गार्डनिंग पर रोचक और ज्ञानवर्धक आयोजन हुआ। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि भिलाई के पर्यावरण एवं उद्यानिकी विशेषज्ञ अभय खननग एवं श्रीमती तरूपती खननग के द्वारा छात्राओं को इस विषय पर सारगर्भित जानकारी दी गयी तथा प्रायोगिक रूप से बोनसाई तैयार करना सिखाया।

श्री अभय जी ने बताया कि उथले पात्रों में पेड़ों को विकसति करने की कला बोनसाई है। इसमें पौधे की जड़ें एवं उपरी हिस्से की कटिंग की जाती है। मिट्टी के उथले पात्र सबसे ज्यादा उपयुक्त होते है। इन पात्रों में काली मिट्टी, ईंट के टुकड़े, वर्मी कपोस्ट खाद, मोटी रेत, कोको चूरा लिया जाता है। उन्होनें पौधे को लेकर उससे बोनसाई तैयार कर सिखाया। उन्होनें बताया कि तैयार पौधे को 15-20 दिन छांव में रखना है तथा साल में एक बार इसकी मिट्टी बदलना एवं जड़ों की कटिंग की जाती है। पीपल, बरगद जैसे पौधों के बोनसाई रूप काफी आकर्षक लगते है। श्री अभय ने बोनसाई संग्रहण की प्रदर्शनी भी लगाई जिसे सभी ने बहुत सराहा। 30-40 वर्षों के बोनसाई पौधे आकर्षण का केन्द्र रहे।कार्यशाला में लेंड स्केपिंग एवं टेरेस गार्डनिंग पर भी प्रकाश डाला गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया । महाविद्यालय परिसर में प्रातः 6.30 बजे से आयोजित योगाब्यास में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने योग की विभिन्न मुद्राओं एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा संकल्प लिया कि वे इन योग की मुद्राओं का अभ्यास प्रतिदिन के व्यवहार में लायेंगे ।

इस अवसर पर योग प्रशिक्षक श्री गुप्ता ने कमर दर्द, पैर दर्द मधुमेह पर विशेष योगाभ्यास बताया । श्रीमती उर्मिला गुप्ता ने ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास कराया जिससे एकाग्रता बढ़ती है और मन स्वस्थ रहता है ।

बॉलीबॉल में दूसरी बार गर्ल्स कॉलेज दुर्ग विजेता बना
(सेक्टर स्तरीय महिला बॉलीबॉल प्रतियोगिता)

दिनांक 09.10.2018 को सेक्टर स्तरीय महिला बॉलीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन शासकीय महाविद्यालय वैशालीनगर एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग के मध्य दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला गया जिसमें शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग ने 2-0 से विजयी होकर फाइनल में प्रवेश किया।

शासकीय महाविद्यालय दुर्ग एवं शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला के मध्य फाइनल मैच खेला गया जिसमें रोमांचक मुकाबले में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग 2-0 से विजयी होकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता। टीम की कप्तान मनीषा, सुषमा, सारिका, वैष्णवी, प्रगति, रूपाली ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया वहीं शासकीय महाविद्यालय बेरला की ओर से राधिका एवं तुलिका ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। बेरला की टीम इस प्रकार थी- निशा, शीतला, सीता, आरती, पूजा।

टीम इस प्रकार थी- मनीषा (कप्तान), सुषमा शिखा, सारिका मीना, प्रगति, वैष्णवी साहू, रूपाली शर्मा, रितिका ठाकुर, प्रीति, तेजश्वरी, डॉली, उर्मिला और प्रज्ञा टीम मैनेजर अनुजा चौहान एवं प्रशिक्षक डॉ. ऋतु दुबे, क्रीड़ाधिकारी थी। मैच के निर्णायक श्री ओ.पी.सिंह, श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, श्री लल्लन एवं ख्वाजा अहमद थे।

प्रतियोगिता के पश्चात पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें डॉ. अमिता सहगल, डॉ. डी.सी. अग्रवाल और डॉ. के.एल. राठी ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं प्राध्यापकों ने टीम को बधाई दी है। इस प्रतियोगिता के आयोजन में श्री बल्ला वैष्णव एवं श्री विजय चन्द्राकर ने अमूल्य योगदान दिया।

ग्रीन आर्मी का गठन

महाविद्यालय की छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें दायित्वबोध से अवगत कराने के उद्देश्य से ग्रीन आर्मी का गठन किया गया। महाविद्यालय की जेण्डर चैम्पियन कु. रूचि शर्मा की लीडरशीप में गठित ग्रीन आर्मी की छात्राओं ने परिसर को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया तथा परिसर में पौधा रोपण किया। छात्राएँ नियमित रूप से परिसर में साफ-सफाई एवं पौधों की देखभाल कर रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने ग्रीन आर्मी की छात्राओं को टीशर्ट एवं कैप प्रदान किया।

छात्राओं ने बनाये इको फ्रेंडली गणेश

महाविद्यालय में चित्रकला एवं मूर्तिकला विभाग के तत्वाधान में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं को इको फ्रेंडली गणेश बनाना सिखाया गया। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती जयश्री समर्थ ने किया। उन्होनें छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण की महती जवाबदारी हमारी युवापीढ़ी को है। हमारी प्राचीन परंपराएँ एवं संस्कृति सदैव पर्यावरण के हित में रही हैं जो हमारी गलतियों से क्षरित हो रही है। यह कार्यशाला हमें बहुत ही सीख देती है। कार्यशाला में सुप्रसिद्ध कलाकार राजेन्द्र सुगरिया, संघर्ष कुमार, नरेन्द्र साहू, ताकेश्वर सिंह ने छात्राओं को आसान तरीके से गणेश प्रतिमाएँ बनाना सीखाया साथ ही उन्हें प्राकृतिक रंगों से रंगा गया। चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इस कार्यशाला में 300 छात्राओं ने भाग लिया तथा गणेश प्रतिमाएँ बनायी गयी। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया गया तथा छात्राओं को बताया गया कि गणेश चतुर्थी में इन्हें अपने घर में स्थापित करें तथा अनंत चर्तुदर्शी को विसर्जन घर में ही बाल्टी में करें तथा उस पानी को गमलों में पौधों में डालें।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए छात्राओं के प्रयासों की प्रसंशा की। कार्यशाला का समापन छात्राओं द्वारा निर्मित सभी प्रतिमाओं को प्रदर्शित किया गया तथा सभी प्रशिक्षकों का महाविद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यशाला में डॉ. रोहिणी पाटणकर, श्रीमती कीर्ति शर्मा, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी, ग्रीन आर्मी की रूचि शर्मा तथा छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता दी।

जिंदल फाऊडेंशन ने दी छात्रवृत्ति

महाविद्यालय की 30 छात्राओं को सीताराम जिंदल फाऊडेंशन नई दिल्ली के द्वारा मेरिट स्कॉलरशीप हेतु चयनित किया गया है। महाविद्यालय के ने बताया कि सीताराम जिंदल फाऊडेंशन, नई दिल्ली पूरे भारत में उच्च शिक्षा हेतु विद्यार्थियो को मेरिट स्कॉलरशीप प्रदान करता है। जिसके लिए चयन प्रक्रिया में सफल होने पर प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क के साथ ही किताबों के लिए राशि स्वीकृत की जाती है। गत वर्ष महाविद्यालय से 6 छात्राओं का चयन किया गया था। इस वर्ष 30 छात्राऐं चयनित की गयी है जिसमें बी. कॉम की 26 बी.एस.-सी. की 02 तथा बी.ए. की 02 छात्राऐ हैं।

उक्त स्कॉलरशीप के लिए न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। छात्राओं को प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी. सी. अग्रवाल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. शशि कश्यप ने चेक प्रदान किये तथा शुभकामनांए दी। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय, की छात्राओं को अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है तथा मेघावी छात्राओं को सम्मानित किया जाता है। इसी तरह महाविद्यालय की एलुमनी संगठन द्वारा भी 10 छात्राओं को छोटी बहन छात्रवृत्ति दी जाती है। प्राध्यापकों द्वारा संचालित ''मोर नोनी'' योजना के अंतर्गत एक-एक छात्राओं की पढ़ाई का जिम्मा शिक्षकों ने लिया है जो की अनुकरणीय है।

कॉलेज में तबस्सुम बनी अध्यक्ष

तबस्सुम

अनंदिता बिश्वास

प्रिया देवांगन

छाया सोनी

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , Website : www.govt.girlspgcollegedurg.com